

ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

AAJ KA SWAMAAN

मैं अपने मस्तक द्वारा सन्तुष्टता के
चमक की झलक दिखलाने वाली
साक्षात्कारमूर्त आत्मा हूँ।





**सदा स्मृति रखो कि - गॉडली
गार्डन में हाथ और साथ दे चल रहे
हैं या बैठे हैं। रूहानी बिच पर हाथ
और साथ दे मौज माना रहे हैं। तो
सदा ही मनोरंजन में रहेंगे, खुश
रहेंगे। सदा सम्पन्न रहेंगे।**

SAMARPAN



ब्रह्मा ही आदि कर्मातीत फरिश्ता बनता है। ब्रह्मा सो फरिश्ता और फरिश्ता सो देवता - सबमें नम्बरवन। ऐसा नम्बरवन क्यों बनें? किस विधि से नम्बरवन सिद्धि को प्राप्त किया? आप सभी ब्राह्मण आत्माओं को ब्रह्मा को ही फालो करना है। क्या फालो करना है? इसका पहला कदम - “समर्पणता”, यह तो पहले सुनाया है। पहले कदम में भी सब रूप से समर्पण बनके दिखाया। दूसरा कदम - “सहनशीलता”। जब समर्पण हुए तो बाप से सर्व श्रेष्ठ वर्सा तो मिला लेकिन दुनिया वालों से क्या मिला? सबसे ज्यादा गालियों की वर्षा किस पर हुई? चाहे आप आत्माओं को भी गालियाँ मिली या अत्याचार हुए लेकिन ज्यादा क्रोध वा गुस्सा ब्रह्मा को ही मिलता रहा। लौकिक जीवन में जो कभी एक अपशब्द भी नहीं सुना लेकिन ब्रह्मा बना तो अपशब्द सुनने में भी नम्बरवन रहा। सबसे ज्यादा सर्व के स्नेही जीवन व्यतीत की लेकिन जितना ही लौकिक जीवन में सर्व के स्नेही रहे, उतना ही अलौकिक जीवन में सर्व के दुश्मन रूप में बने। बच्चों के ऊपर अत्याचार हुआ तो स्वतः ही इन्डायरेक्ट बाप के ऊपर अत्याचार हुए। लेकिन सहनशीलता के गुण से वा सहनशीलता की धारणा से मुस्कराते रहे, कभी मुरझाये नहीं।

कोई प्रशंसा करे और मुस्कराये - इसको सहनशीलता नहीं कहते। लेकिन दुश्मन बन, क्रोधित हो अपशब्दों की वर्षा करे, ऐसे समय पर भी सदा मुस्कराते रहना, संकल्पमात्र भी मुरझाने का चिह्न चेहरे पर न हो। इसको कहा जाता है - सहनशील। दुश्मन आत्मा को भी रहमदिल भावना से देखना, बोलना, सम्पर्क में आना। इसको कहते हैं सहनशीलता। स्थापना के कार्य में, सेवा के कार्य में कभी छोटे, कभी बड़े तूफान आये। जैसे यादगार शास्त्रों में महावीर हनुमान के लिए दिखाते हैं कि इतना बड़ा पहाड़ भी हथेली पर एक गेंद के समान ले आया। ऐसे, कितनी भी बड़ी पहाड़ समान समस्या हो, तूफान हो, विघ्न हो लेकिन पहाड़ अर्थात् बड़ी बात को छोटा - सा खिलौना बनाए खेल की रीति से सदा पार किया वा बड़ी भारी बात को सदा हल्का बनाए स्वयं भी हल्के रहे और दूसरों को भी हल्का बनाया। इसको कहते हैं - सहनशीलता। छोटे से पत्थर को पहाड़ नहीं लेकिन पहाड़ को गेंद बनाया। विस्तार को सार में लाना, यह है सहनशीलता। विघ्नों को, समस्या को अपने मन में वा दूसरों को आगे विस्तार करना अर्थात् पहाड़ बनाना है। लेकिन विस्तार में न जाये, ‘नथिंग न्यू’ के फुल स्टाप से बिन्दी लगाए बिन्दी बन आगे बढ़े - इसको कहते हैं विस्तार को सार में लाना। सहनशील श्रेष्ठ आत्मा सदा ज्ञान - योग के सार में स्थित हो ऐसे विस्तार को, समस्या को, विघ्नों को भी सार में ले आती है जैसे ब्रह्मा बाप ने किया। जैसे लम्बा रास्ता पार करने में समय, शक्तियाँ समाप्त हो जाती अर्थात् ज्यादा यूज होतीं। ऐसे ‘विस्तार’ है लम्बा रास्ता पार करना और ‘सार’ है शार्टकट रास्ता पार करना। पार दोनों ही करते हैं लेकिन शार्टकट करने वाले समय और शक्तियों की बचत होने कारण निराश नहीं होते, दिलशिकस्त नहीं होते, सदा मौज में मुस्कराते पार करते हैं। इसको कहा जाता है - सहनशीलता।--30-01-1988

Vidhi Se Siddhi

When I shift from
“Life happens to me” to
“Life happens for me”
I transcend myself from
being a victim to a
master creator of LIFE.



BRAHMA KUMARIS

facebook.com/brahmakumaris | youtube.com/brahmakumaris

"बापदादा ने इशारा दे दिया है कि वर्तमान समय के प्रमाण सब अचानक होना है।"

अव्यक्त बापदादा - 17-11-2022 (30-11-2011)

बापदादा ने समय का इशारा दे दिया है। अभी संगम का समय अति वैल्युबुल है और बापदादा ने यह भी इशारा दे दिया है कि वर्तमान समय के प्रमाण सब अचानक होना है इसलिए सदा एवररेडी बनना है ना! बापदादा के साथ अपने घर चलना है ना! रेडी हो ना! साथ चलने के लिए रेडी हो? एवररेडी। रेडी भी नहीं, एवररेडी। तो बापदादा समय का इशारा दे रहे हैं। इस एक जन्म में 21 जन्मों की प्रालब्ध बनानी है। तो सोचो कितना अटेन्शन देना है। बाप का हर बच्चे के साथ प्यार है, बाप यही चाहते हैं कि हर बच्चा बाप के साथ-साथ चले और साथ-साथ राज्य अधिकारी बनें।



BRAHMA KUMARIS
Education Wing, Mount Abu




/AvyaktMurliEssence

सब कुछ ठीक होने का इंतजार
करोगे, तो बस इंतजार करते ही
रह जाओगे..

हिम्मत करो ..
खुद से उठो और
सब कुछ ठीक करो।





It is better to understand
why am I suffering than
trying to escape from it.



BRAHMA KUMARIS





Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR
www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website:
www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net
and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW

www.IshvariyaKhajana.BKhq.org